>

Title: Need to monitor and augment Banking Services in Santhal Parganas, Jharkhand.

श्री हेमलाल मुर्मू (राजमहल) : महोदय, बिहार एवं झारखण्ड में स्थापित बैंकों के कार्यनिष्पादन में कई विसंगतियां व्यापत हैं। झारखण्ड के संथाल परगना में बैंकों की संख्या में कमी, बैंकों में जाली मुद्रा का विचलन, ड्राफ्ट एवं चेक जारी करने में अधिक सेवा शुल्क की वसूली, चेकों के क्लीयरेंस में अत्यधिक विलंब, बैंकों में सुरक्षा व्यवस्था का अभाव, ग्राहक संतुष्टि के कार्यों में अभाव, ग्रामीण बैंकों की शाखाओं में ग्राहकों द्वारा बड़ी राशि की मांग के अनुसार राशि का भुगतान न करना, ग्राहकों को खासकर लक्षित वर्गों को लक्ष्य के आधार पर ऋणों का आबंटन एवं भुगतान न करना और छोटे किसानों को विभिन्न प्रकार के ऋणों खासेर कसान क्रेडिट कार्ड वितरण की दयनीय स्थिति है। बैंकों का ऋण प्रायः अवांछित तत्वों को दिया जाता है जिसके कारण लक्षित वर्ग सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों से वंचित रह जाते हैं।

बैंकों के बेहतर कार्य निष्पादन एवं ग्राहक संतुष्टि के कार्यों कोपूरा करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा नियमित जांच एवं मानीटरिंग की व्यवस्था की जाये, गैर-जिम्मेवार कार्मिकों के विरूद्ध कार्रवाई की जाये और झारखण्ड के संथाल परगना के साहिबगंज, पाकुड़, दुमका और गोड्डा जिले में ग्रामीण और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में बैंकों के शाखाओं का विस्तार करने हेतु प्रभावी कदम उठाया जाये।